जाये । मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया है और क्या गवर्नमेंट ने इस पर विचार किया है कि राज भाषा आयोग की रिपोर्ट पर विचार करने से पहले इस पर कोई निर्णय नहीं किया जाना चाहिये ?

डा० का० ला० श्रीमाली : जहां तक इस कान्फ्रेंस का सम्बन्ध है इसमें इस विषय में निर्णय हुआ था और अब यह सिफारिश सैंट्रल एडवाइजरी बोर्ड (केन्द्रीय मंत्रणा बोर्ड) के सामने जायेगी जिसकी मीटिंग जनवरी में होने वाली है ।

श्री भक्त दर्शन : गवर्नमेंट ने पिछले दिनों एक राज भाषा आयोग की स्थापना की थी और उससे इस बात की सिफारिश करने को कहा था कि हिन्दी को राज भाषा के रूप में प्रयोग म लाने के लिये क्या कदम उठाये जाने चाहिय और उसने अपनी रिपोर्ट पेश भी कर दी है । मैं जानना चाहता हूं कि उस आयोग की सिफारिशों पर विचार करने से पहले इस सम्बन्ध में क्यों कोई निर्णय किया जा रहा है ?

डा० का० ला० श्रीमाली : उससे इस प्रश्न का कोई सम्बन्ध नहीं है । शिक्षा की दृष्टि से क्या उचित है इस पर विचार किया गया है । हिन्दी भी रखी गई है और अंग्रेजी भी उस फार्मुले (सूत्र) में जो तय हुआ है ।

Shri Shree Narayan Das: May I know whether the decision regarding making English compulsory in secondary schools was taken unanimously or whether there was any difference of opinion; and if so, what was its nature?

Dr. K. L. Shrimali: The decision that was arrived at was not voted. The decision arrived at is given in the statement.

श्री भक्त दर्शन : क्या मैं जान सकता हूं कि कितने वर्षों के लिये इसको अनिवार्य विषय रखने का विचार किया गया है, अनन्त काल के लिये या कोई अवधि निर्धारित की गई है ?

डा० का० ला० श्रीमाली : शिक्षा के संबंध में कभी कोई बात निश्चित रूप से हमेशा के लिये नहीं कही जा सकती है । जैसे जैसे समाज की आवश्यकतायें होती रहती हैं वैसे वैसे शिक्षा का जो कार्यक्रम है उसका भी निर्धारण होता रहता है और होना चाहिये ।

Shri T. S. A. Chettiar: May I know what are the definite resolutions that have been passed on the recommendations of the Basic Education Standing Committee?

Dr. K. L. Shrimali: It is given in the statement.

Historical Finds at Thaneshwar

*754. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some material of historic importance has been found recently at Thaneshwar; and

(b) if so, what is its nature?

The Deputy Minister of Education (Dr. M. M. Das): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

रूपकुंड के नर-कंकाल

+

*७५६. **श्री भक्त दर्शन** :
श्री काजरोलकर :

क्या **शिक्षा** मंत्री ३१ जुलाई १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या ५४२ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रूपकुण्ड में पाये गये नर-कंकालों के सम्बन्ध में गवेषणा करने के लिये नरतत्व विभाग के संचालक के नेतृत्व में विशेषज्ञों के एक दल ने इस बीच उत्तर प्रदेश के गढ़वाल जिले में स्थित रूपकुण्ड झील की एक यात्रा की है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त यात्रा और वहां प्राप्त सामग्री के ब्यौरे का एक विवरण लोक-सभा के पटल पर रखा जायेगा; और

(ग) मनुष्यों के इन अवशेषों के बारे में विशेषज्ञों ने क्या राय दी है ?

शिक्षा उपमंत्री (डा० म० मो दास): (क) जी हां।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [**देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ७७**]

(ग) विशेषज्ञों द्वारा लाये गये कंकाल अवशेषों के विषय में गवेषणा चल रही है और लगभग एक वर्ष में पूर्ण होने की अपेक्षा है।

श्री भक्त दर्शन: क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आई है कि बहुत से इतिहासकारों ने सरदार जोरावर सिंह की लौटती हुई सेना का इससे सम्बन्ध बताया है और कुछ ने यह भी बताया है कि किसी मुगल सम्राट की सेना तिब्बत जाती हुई वहां दब गई थी ? क्या इसके बारे में भी कोई निश्चित जानकारी प्राप्त हुई है ?

Dr. M. M. Das: The tentative report that we received from the Director of Anthropology who visited this place recently does not refer to the matters just now spoken by the hon. Member.

श्री भक्त दर्शन: क्या गवर्नमेंट को इसका पता है कि अभी तक जितने भी दल वहां गये हैं उन्होंने केवल ऊपर के नर-कंकालों की खोज की है लेकिन उस मलबे के नीचे जहां पर सैंकड़ों लाशें दबी बताई जाती हैं खोज नहीं की है ? क्या उन लाशों को निकलवाने के लिये खुदाई का भी कोई प्रबन्ध किया जा रहा है ?

Dr. M. M. Das: The Director of Anthropology and his expedition brought some skeletons, one female body and a few other remains. According to him, the tentative conclusions are that the human remains at Rup Kund seem to be those of a large party of pilgrims who joined one of the ancient and traditional 12 to 20 yearly pilgrimage processions known as *Nanda Jat* in order to pay homage to the Goddess Nanda Devi at a spot called Trisuli at the base of the Trisul mountain.

श्री भक्त दर्शन: मेरे प्रश्न को शायद माननीय उपमंत्री जी समझे नहीं हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि पत्थरों के नीचे बहुत से ह्यूमन स्केलेटंस (मानव पिंजर) दबे पड़े हैं और जब तक वहां पूरे तौर से खुदवाई कराने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक पूरा पता नहीं लग सकता है इस लिये क्या अच्छी तरह से खुदवाई कराने का इंतिज़ाम किया जा रहा है ?

Dr. M. M. Das: One of the skeletons had been removed from below....

Mr. Deputy Speaker: The question is, whether there was a proposal to take out the other skeletons that are still lying underneath.

Dr. M. M. Das: So far as the Government of India is concerned, their Anthoropology Department does not propose to take out the other skeletons from that place unless and still the skeletons that have been taken are examined and some conclusions are arrived at.

Grazing Grounds in Manipur

*758. **Shrimati Renu Chakravartty:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether long recorded grazing grounds at Nachou, Yawaburg, Kakching, Heirok villages in Manipur State have been given away by Government for settlement to a few persons; and

(b) how many families and heads of cattle will thereby be affected?

The Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) No. Only portion of the common ground of the Yawabung village admeasuring 7½ acres has been settled with 15 local families for their residence. The remaining area has been retained as grazing ground for the village.

(b) None.

Shrimati Renu Chakravartty: Is it a fact that although the various courts of the S. D. C., the D. C. and the C. C. have declared that the settlers in these areas are encroachers and notices have also been served upon them, up till now they have not been evicted and that the grounds have not been returned for grazing purposes to the villagers?

Shri Datar: It is true to a certain extent but Government are taking steps to see that in proper cases, eviction orders are issued.

Shrimati Renu Chakravartty: My point is, as far as the law is concerned already they have been termed "encorachers"